>

Title: Regarding compensation to the farmers of Jamnagar, Gujarat.

श्री विक्रमभाई अर्जनभाई मादम (जामनगर): सभापति महोदय, मैं कैर्न इण्डिया कम्पनी, जो बाड़मेर से जामनगर गुजरात तक अपना काम कर रही है...(व्यवधान) किसान इस देश में मर रहे हैं। जब किसान इस देश में मर जाते हैं, तो उसे हम लोग पार्लियामेंट बंद करते हैं। हम उनके आंसू पौंछने जाते हैं, उसके मुआवजे की मांग करते हैं। मेरे गुजरात के जामनगर में कैर्न्स इण्डिया के जुल्म इतने बढ़ गए हैं कि आने वाले समय में 20-25 दिनों में बहुत बड़ा हंगामा होने वाला है। किसानों पर गोलियां चलेंगी। सरकार उनकी तरफ कोई ध्यान नहीं दे रही है। मैंने बार-बार आवाज़ उठायी है, लेकिन किसानों को माफिया और प्रशासन की मदद से दबाया जाता है। सामान्य किसान को मालूम भी नहीं है कि कानून क्या है? उसको पकड़ कर 16-16 दिन के लिए जेल में डाल दिया जाता है, जबकि उन किसानों को जमीन का मुआवजा मिलना चाहिए। आज अलीगढ़ में किसानों को चार लाख रूपये का मुआवजा दिया जा रहा है।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Please wind up now. Do not give a long speech. Many hon. Members are waiting to raise their issues and we have to take up other business also. What do you want from the Government?

श्री विक्रमभाई अर्जनभाई मादम : महोदय, कैर्न इण्डिया लिमिटेड किसानों की जमीन लोकल प्रशासन की मदद से सिर्फ 40 हजार रूपये बीघा ले रही है। वह माफिया और पुलिस का इस्तेमाल कर रही है और किसानों को प्रशासन परेशान कर रहा है। मेरी मांग है कि कंपनी की पूरी कार्यशैली की जांच की जाए। उसने करोड़ों रूपये का जो घपला किया है, सरकार के साथ किया है, उसकी जांच की जाए और किसानों को न्याय दिलाया जाए। यदि किसानों को न्याय नहीं मिलेगा तो फिर से आंदोलन होगा, फिर हम उनके आंसू पौंछने जाएंगे।